



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्रतिभार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 197]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 8, 1986/भाद्रपद 17, 1908

No. 197]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 8, 1986/BHADRA 17, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जरूर संकलन की रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 1986

फा. सं. ए-21021/1/82-प्रशा.-III ख.—राष्ट्रपति जी ने, दिनांक 15 जनवरी 68 की अधिसूचना संख्या 31/12/67-प्रशा. III ख, दिनांक 22 जनवरी, 1972 की अधिसूचना संख्या ए.-21021/13/71-प्रशा. III ख तथा दिनांक 11 जून, 1982 की अधिसूचना संख्या 21021/1/82-प्रशा. III ख द्वारा यथा संशोधित दिनांक 5 नवम्बर, 1962 के भारत के राजपत्र, अध्याध्याय के भाग I खंड 1 में प्रकाशित इस संशोधन की दिनांक 6 नवम्बर, 1962 की अधिसूचना संख्या 12/139/59-प्रशा. III ख के, जिसमें सीमा शुल्क तथा केंद्रीय उत्पादन शुल्क विभाग और प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को उनके द्वारा विशिष्ट सराहनीय सेवा करने तथा इयुटी के प्रति उत्कृष्ट निष्ठा प्रदर्शित करने के सम्मिलित में प्रशस्ति प्रमाण-पत्र तथा नकद पुरस्कार प्रदान किए जाने की योजना को घोषणा की गई थी, "च", "छ" और "ज" खंडों के स्थान पर निम्नलिखित खण्डों को प्रतिस्थापित किया है :—

(ब) भत्ता उस सराहनीय कार्य की तारीख से दिया जाएगा, जिसके लिए पुरस्कार दिया गया है। यदि पुरस्कार किसी दुराचरण के कारण अब्त नहीं किया गया हो, तो यह पुरस्कार प्रणालीय

कार्य करने की तारीख से उसे जीवन-पर्यन्त मिलता रहेगा। अन्य कोई सराहनीय कार्य करने के लिए अतिरिक्त आर्थिक भत्ता भी उसे कोई अन्य सराहनीय कार्य करने की तारीख से लेकर जीवन-पर्यन्त मिलता रहेगा।

(क) जब पुरस्कार मरणोपरान्त दिया जाता है, अथवा पुरस्कार संभूर किए जाने के पश्चात् प्राप्तकर्ता की मृत्यु हो जाती है, तो आर्थिक/अतिरिक्त आर्थिक भत्ता उसकी विधवा (पहली विवाहिता पत्नी को बरीयता होगी) को जीवन-पर्यन्त अथवा उसके पुन. विवाह करने तक दिया जाएगा।

(ख) जब किसी अविवाहित व्यक्ति को मरणोपरान्त पुरस्कार दिया जाता है, अथवा प्राप्तकर्ता की मृत्यु पुरस्कार के संभूर किए जाने के बाद हो जाती है, तो आर्थिक/अतिरिक्त आर्थिक भत्ता उसके पिता या माता को, और यदि प्राप्तकर्ता विधुर हो, तो यह भत्ता 18 वर्ष से कम आयु के उसके लड़के को या अविवाहित बहू की को, जैसा भी मामला हो, सराहनीय कार्य की तारीख से दिया जाएगा।

उपर्युक्त संशोधन ऐसे पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं पर लागू होगा, जो इन आदेशों के जारी होने की तारीख पर आर्थिक भत्ता ले रहे हैं।

वी. सी. जयरामन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd September, 1986

F. No. 21021/1/82-Ad.III-B :—The President is pleased to substitute clauses 'f', 'g' and 'h' of the scheme for the grant of Appreciation Certificates and cash awards to officers and staff of the Customs and Central Excise Department and Directorate of Enforcement in consideration of their rendering exceptional meritorious service and displaying outstanding devotion to duty announced in this Ministry's notification No. 12/139/59-Ad.III-B dated 5th November, 1962 published in Part I, section 1 of the Gazette of India Extraordinary dated the 5th November, 1962 as amended by notification No. 31/12/67-Ad. III-B dated the 15th January, 1968, notification No. A. 21021/13/71-Ad.III-B dated the 22nd January, 1972 and notification No. 21021/1/82 Ad.III-B dated the 14th June, 1982 as under :—

- (f) The allowance will be granted from the date of the meritorious act for which the award is given and, unless it is forfeited for misconduct, will continue for life time of the recipient from the date of the perform-

ance of such act. The additional monetary allowance for a further meritorious act will also be paid for life time of the recipient from the date of the further meritorious act.

- (g) When the award is made posthumously or the awardee dies after the grant of award, the monetary|additional monetary allowance shall be paid to his widow (first married wife having the preference) for her life time or till remarriage.
- (h) When the award is made posthumously to a bachelor or such an awardee dies after the grant of the award, the monetary|additional monetary allowance shall be paid to his father or mother and in case the awardee is a widower, the allowance shall be paid to his son below 18 years or unmarried daughter, as the case may be, from the date of the meritorious act.

The above amendment shall be applicable to the recipients of the award who are in receipt of monetary allowance on the date of issue of these orders.

P. C. JAYARAMAN, Jt. Secy.